International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन

प्रज्ञा चंद्राकर[1], डॉ. जगदीश प्रसाद[2]

[1]शोधार्थी, भारती विश्वविद्यालय. दुर्ग (छ.ग)
[2]शोध निर्देशक, सहायक प्राध्यापक, भारती विश्वविद्यालय. दुर्ग (छ.ग)

सारांश

यह अध्ययन दुर्ग एवं भिलाई शहर के कक्षा 11वीं में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण की तुलना पर केंद्रित है। कुल 200 विद्यार्थियों (100 ग्रामीण एवं 100 शहरी) का चयन गैर अनुपातिक स्तरीकृत विधि से किया गया। *करुणा शंकर मिश्रा (2019)* द्वारा निर्मित घरेलू वातावरण मापनी का प्रयोग कर डेटा एकत्र किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु स्वतंत्र नमूना t-परीक्षण का उपयोग किया गया। परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों का घरेलू वातावरण ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में अधिक अनुकूल एवं सहायक पाया गया, तथा दोनों समूहों के बीच *सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर* मौजूद था।

प्रस्तावना

विद्यार्थी का संपूर्ण विकास उसके परिवेश पर निर्भर करता है, विशेषतः उसका घरेलू वातावरण। यह वातावरण माता-पिता की शिक्षा, पारिवारिक संरचना, संवाद की शैली, अनुशासन तथा मूल्य-व्यवस्था से निर्मित होता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के घरेलू वातावरण में सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक भिन्नताएँ विद्यमान होती हैं, जो विद्यार्थियों के व्यवहार, अध्ययन की प्रवृत्ति और आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं। इसी दृष्टिकोण से यह अध्ययन अत्यंत प्रासंगिक है।

अध्ययन का उद्देश्य

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के कक्षा 11वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण की तुलना करना।

परिकल्पना

H_0: ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण में कोई *सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

शोध पद्धति

न्यादर्श :

- कुल 200 विद्यार्थी (100 ग्रामीण, 100 शहरी)
- कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राएँ
- चयन विधि: गैर अनुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक विधि

उपकरण:

घरेलू वातावरण मापनी* — करुणा शंकर मिश्रा (2019)

सांख्यिकीय तकनीक:

स्वतंत्र नमूना t-परीक्षण

डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1:

ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	N	माध्य	मानक विचलन (SD)	t मान	p मान	निष्कर्ष
ग्रामीण	100	132.45	12.30	3.86	0.000	अंतर *सार्थक*
शहरी	100	140.80	11.10			

व्याख्या:

इस अध्ययन में घरेलू वातावरण के स्तर पर ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों के बीच अंतर को मापने के लिए स्वतंत्र नमूना t-परीक्षण का प्रयोग किया गया। विश्लेषण में प्राप्त t का मान = 3.86 तथा p-मूल्य = 0.000 (जो कि 0.05 से बहुत कम है) प्राप्त हुआ। इसका अर्थ यह है कि दोनों समूहों — ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के घरेलू वातावरण में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर पाया गया है। चूँकि p-मूल्य 0.05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना (H_0) को अस्वीकार किया गया और यह निष्कर्ष निकाला गया कि शहरी विद्यार्थियों का घरेलू वातावरण अधिक संगठित, शिक्षोन्मुखी एवं सहयोगात्मक था, जबकि ग्रामीण विद्यार्थियों का वातावरण अपेक्षाकृत कम अनुकूल रहा। तथ्य यह दर्शाता है कि घरेलू वातावरण में यह अंतर केवल संयोगवश नहीं है, बल्कि वास्तविक और महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष

शोध के निष्कर्ष से यह स्पष्ट होता है कि शहरी विद्यार्थियों का घरेलू वातावरण, ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में अधिक

संगठित, संवादात्मक एवं शिक्षोन्मुखी है। यह अंतर सामाजिक-आर्थिक स्थितियों, अभिभावकों की शैक्षिक स्थिति एवं जागरूकता से उत्पन्न हो सकता है।

शैक्षिक सुझाव

- ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को घरेलू सहयोग, संवाद और सीखने का वातावरण देने हेतु अभिभावकों को जागरूक किया जाए।
- शैक्षणिक कार्यशालाओं व जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा घरेलू वातावरण की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

संदर्भ सूची

1. मिश्रा, करुणा शंकर (2019). *घरेलू वातावरण मापनी*.
2. Garrett, H. E. (2011). *Statistics in Psychology and Education*.
3. Best, J. W., & Kahn, J. V. (2006). *Research in Education*.
4. Mangal, S. K. (2015). *Advanced Educational Psychology*.
5. NCERT Reports on Rural vs Urban Education.